
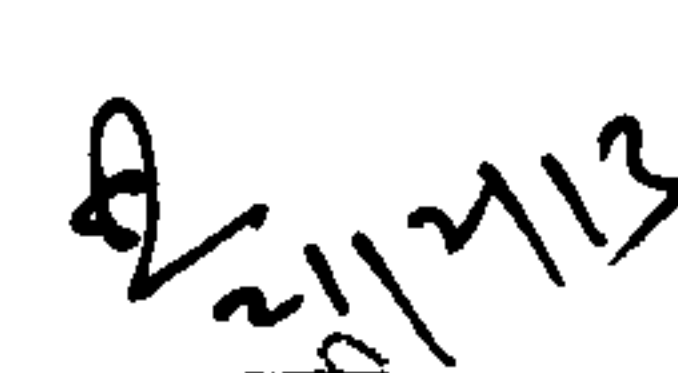
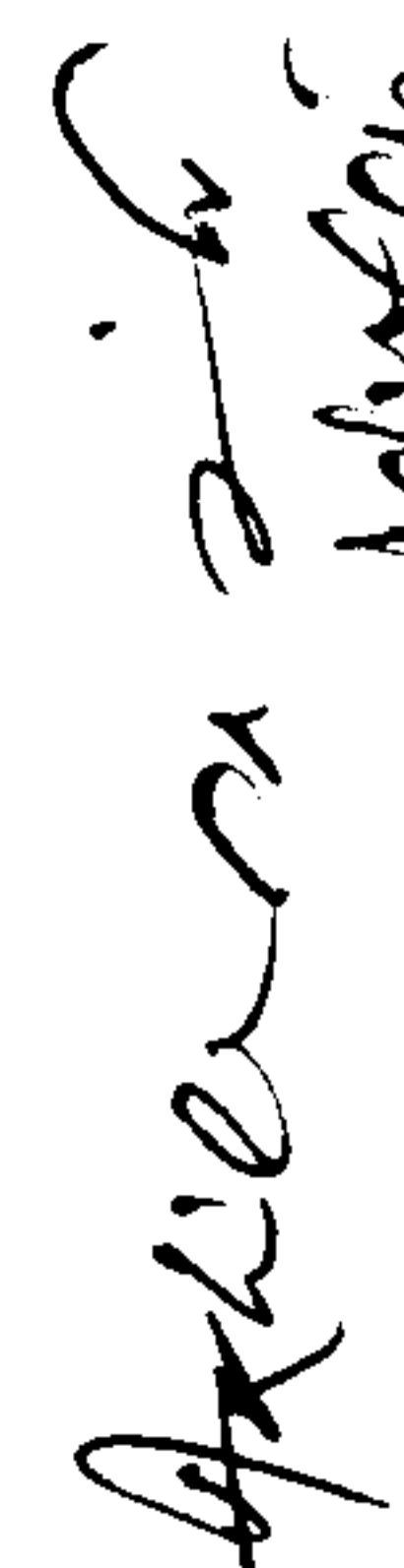


आदेश की क्रम-संख्या आर तारीख 1	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर 2	आदेश पर की गई करवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख के साथ 3
<p>21/02/ 2013</p>	<p>न्यायालय- अनुमण्डल दण्डाधिकारी, अरवल ।</p> <hr/> <p>वाद सं- $\frac{646}{12}$, धारा-147 द०प्र०सं० 08/ 13</p> <p>भगु साव ----- प्रथम पक्ष</p> <p>बनाम</p> <p>विष्णु साव, वगैरह----- द्वितीय पक्ष ।</p> <p><u>आ दे श</u></p> <p>प्रथम पक्ष को सुना । स्पष्ट है कि प्रथम पक्ष की ओर से दाखिल आवेदन-पत्र के आधार पर छाता सं- 86, प्लॉट सं- $\frac{915}{1888}$ रकबा- 3 डी० भूमि पर अवस्थित प्रथम पक्ष के नाली को द्वितीय पक्ष द्वारा अवरुद्ध करने के कारण वाद की कार्यवाही प्रारम्भ की गई है ।</p> <p>द्वितीय पक्ष के लगातार अनुपस्थित रहने के कारण वाद की कार्यवाही एकपक्षीय कर सुनवाई की गई है । अंचल अमीन से स्थल की जांच कराई गई । अंचल अमीन ने अपने प्रतिवेदन में प्रतिवेदित किया है कि प्रश्नगत भूमि प्रथम-पक्ष</p>	

आदेश की क्रम-संख्या और तारीख 1	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर 2	आदेश पर की गई करवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख के साथ 3
	<p style="text-align: center;">-2-</p> <p>श्री रैवती भूमि है जिस पर प्रथम पक्ष का मकान अवीस्थित है। मकान के सटे उत्तर प्रश्नगत प्लॉट में ही प्रथम-पक्ष का नाली अवीस्थित है जिससे होकर आम गली प्लॉट सं- 890 में नाली गिरता था जैसा कि प्रथम पक्ष का कहना है।</p> <p>द्वितीय पक्ष प्रथम पक्ष की भूमि के अंश रकबा को अपना बता कर नाली को अवरुद्ध कर दिये हैं। चूँकि प्रश्नगत नाली की भूमि प्रथम-पक्ष का ही है, ऐसी परिस्थिति में स्थानीय धाना को आदेशा दी जाती है कि अगर नाली बन्द है तो खुलवा दें।</p> <p>आदेशा से विज्ञा अधिक्ता को अवगत करावे। आदेशा की प्रति सम्बंधित धाना को भेजे।</p> <p>लेखापत एवं संगोपित</p> <p style="text-align: center;">  कार्यो दण्डाधिकारी, अरवल।  कार्यपालक दण्डाधिकारी, अरवल। </p>	<p style="text-align: center;">See order on behalf of 1st party.</p> <p style="text-align: center;">  Aravali 23.4.2013 </p> <p style="text-align: right;"> 528 11.5.13 </p>